स्कूली दिन

एरिका सिल्वरमैन

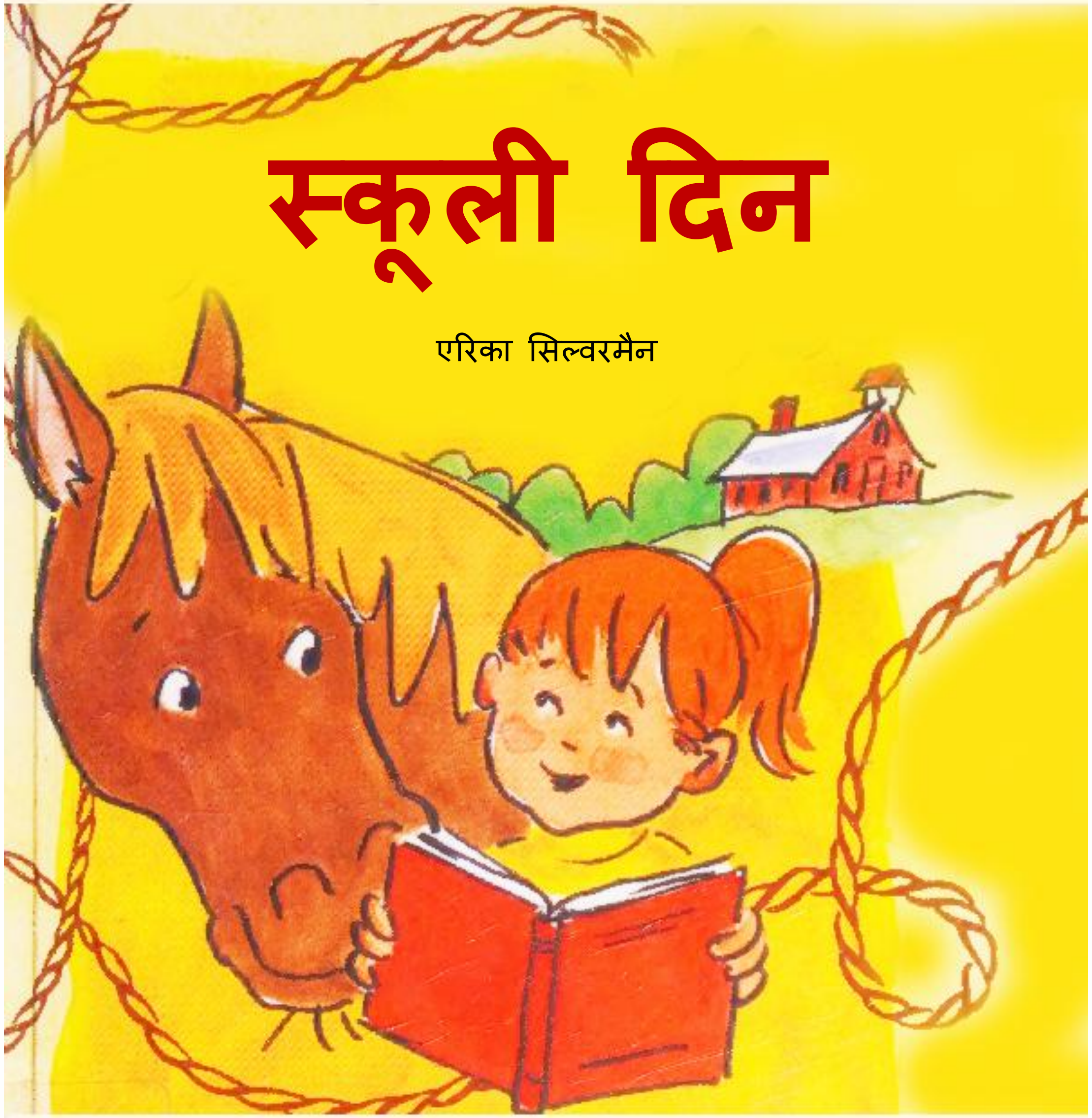

स्कूली दिन

एरिका सिल्वरमैन

हिंदी: इंदुजी

स्कूली दिन

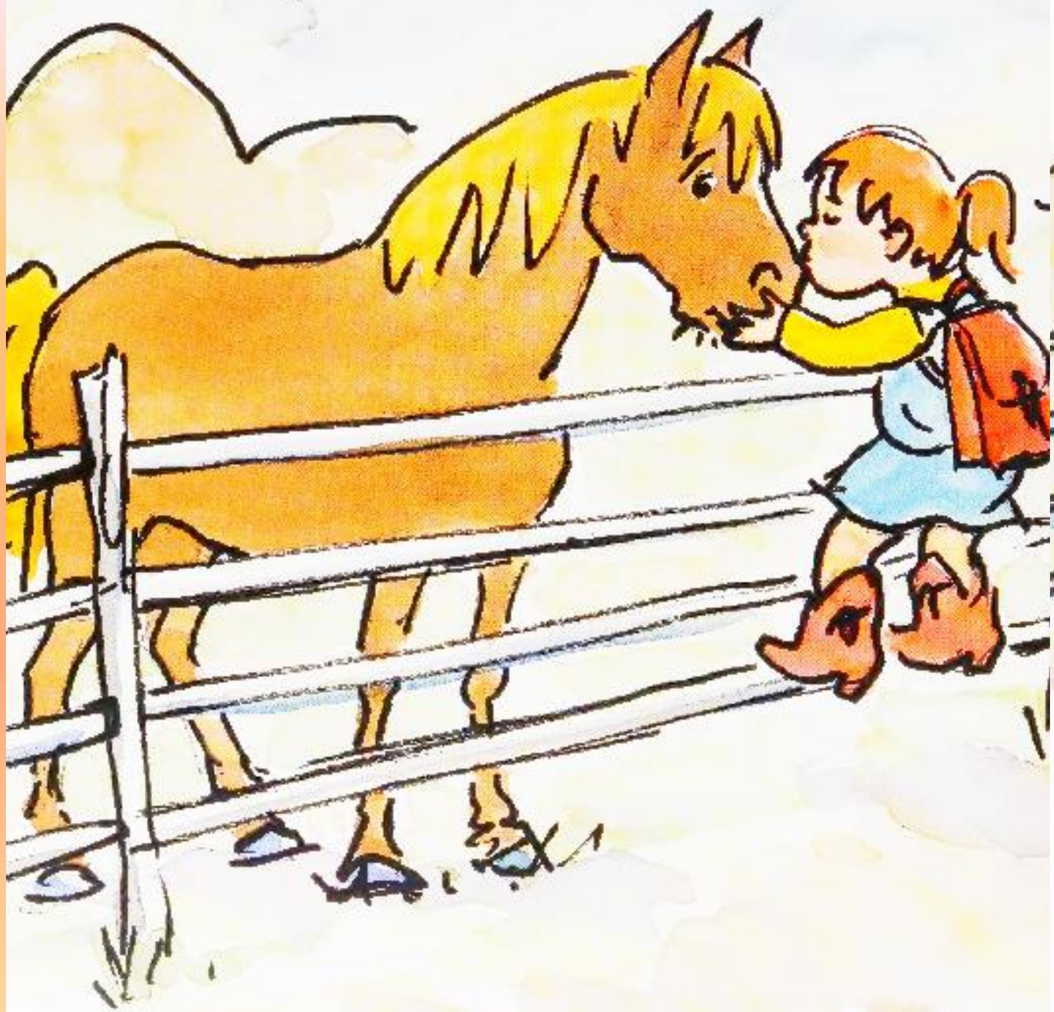

1

मैरी का मेमना

काउगर्ल केट जल्दी उठ गई.

उसने कोको के स्टाल को साफ किया.

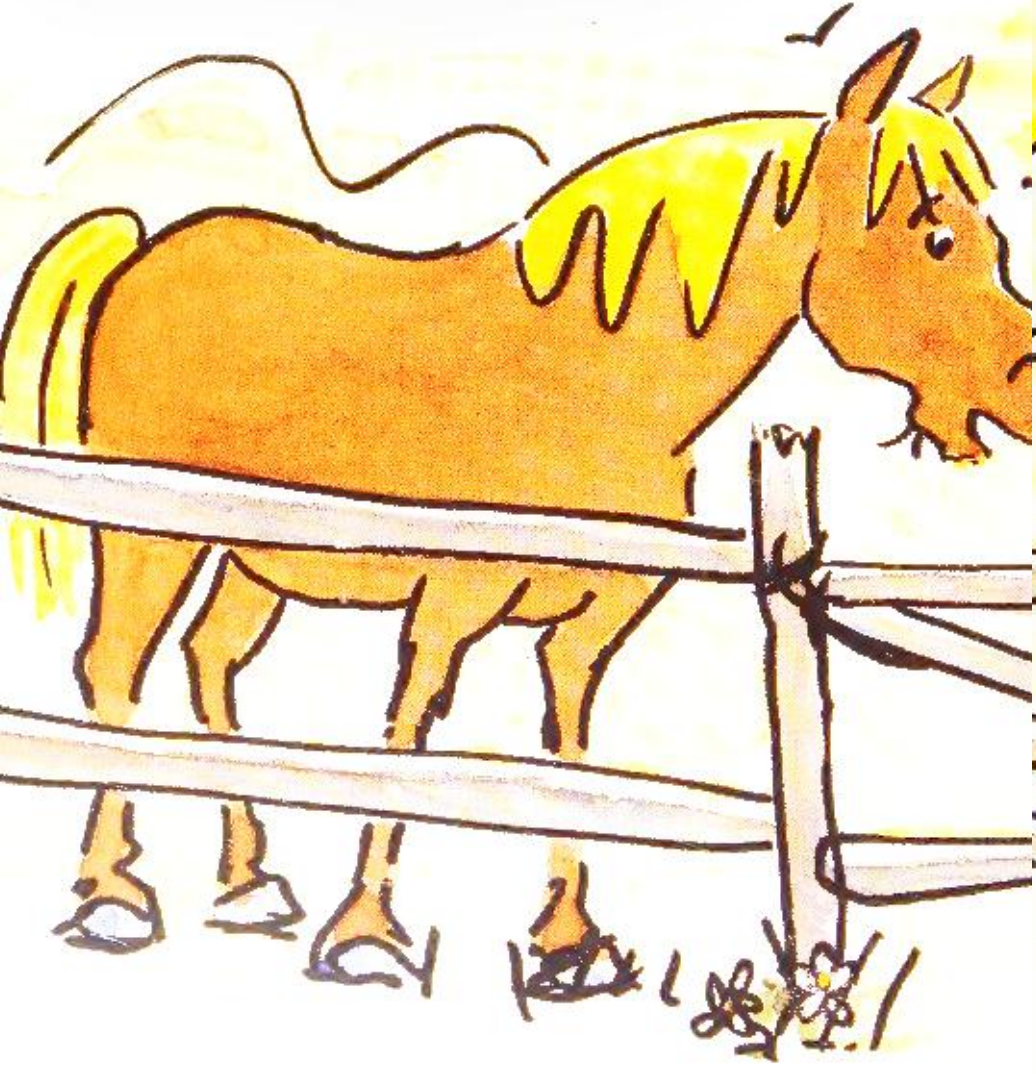

उसने ब्रश से कोको की फर् को साफ किया

और उसे खाना खिलाया.

फिर वह उसे बाड़े में ले गई.

“मैं बाद में तुम से मिलूँगी,” उसने कहा.

“तुम कहाँ जा रही हो?” घोड़े ने पूछा.

“मुझे स्कूल जाने के लिए तैयार होना है,”

केट ने कहा.

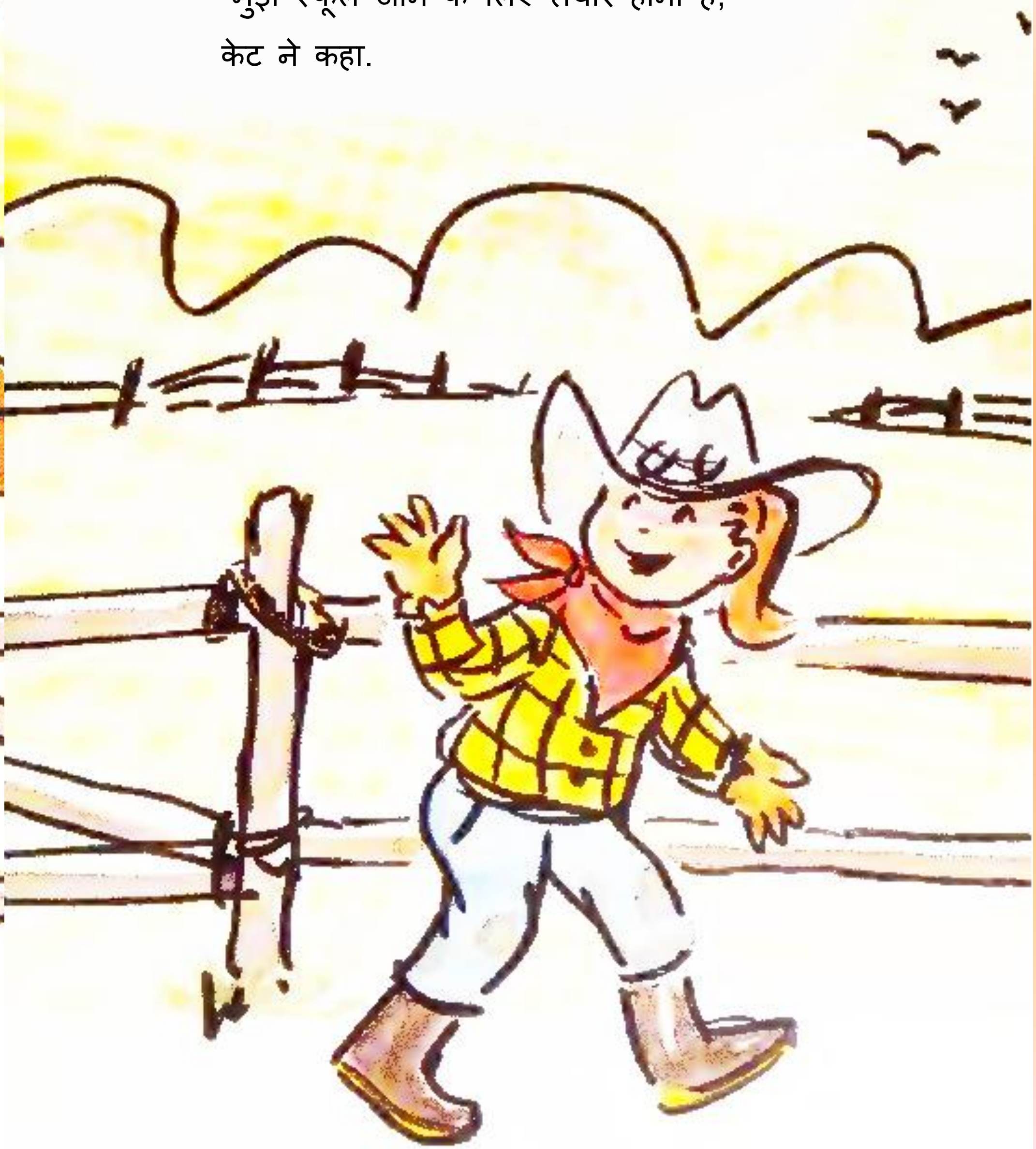

“तुम स्कूल नहीं जा सकती,” उसने कहा.
“तुम्हें घर पर रहना होगा और मेरे साथ खेलना होगा.”
“कोको, पतझड़ का समय है,” काउगर्ल केट ने कहा.
“पतझड़ में मैं स्कूल जाती हूँ.”
“फिर मुझे अपने साथ ले जाओ,” उसने कहा.
काउगर्ल केट ने आह भरी.
“नहीं ले जा सकती. स्कूल में घोड़े नहीं आ सकते.”

काउगर्ल केट घर के अंदर चली गई.
उसने अपनी पोशाक बदली.
फिर वह झटपट बस-स्टाप की ओर चल दी.
“फिर मिलेंगे, कोको!” उसने कहा.

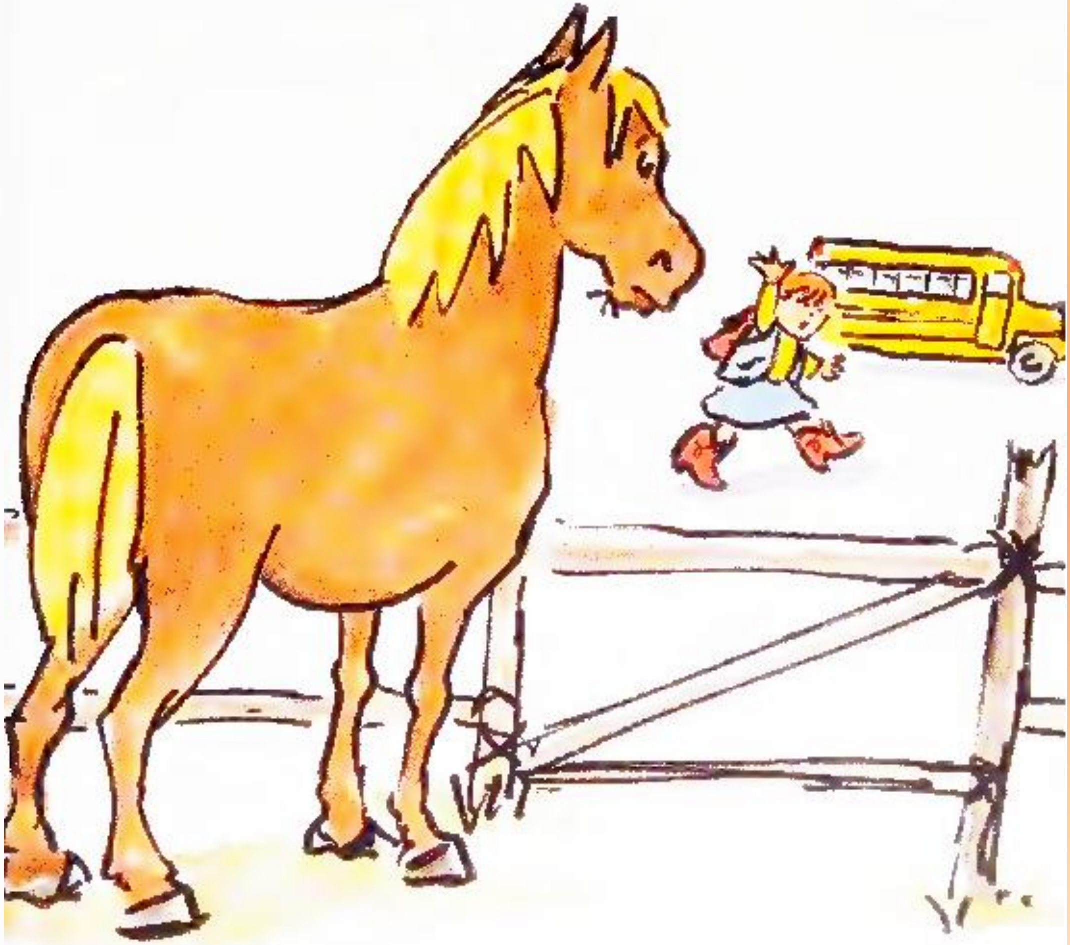

"मुझे छोड़ कर मत जाओ!" कोको चिल्लाया.

उसने बार-बार बाड़े के दरवाज़े पर टक्कर मारी.

दरवाज़ा खुल गया.

"मेरी प्रतीक्षा करो!" कोको ने पुकारा

और वह बस का पीछा करने लगा.

"देखो!" बच्चों ने चिल्ला कर कहा.

"एक घोड़ा हमारे पीछे आ रहा है."

"वह घोड़ा नहीं है." किसी बच्चे ने कहा.

"वह मैरी का नन्हा मेमना है."

हर कोई हँसने लगा.

फिर कोई गाने लगा,

"मैरी का था नन्हा मेमना,

नन्हा मेमना, नन्हा मेमना....."

सब बच्चे गाने लगे.

"इक दिन उसके पीछे स्कूल वो आया,

स्कूल वो आया, स्कूल वो आया,

मास्टर जी को गुस्सा आया,

गुस्सा आया, गुस्सा आया."

ड्राइवर ने बस रोक दी.

“वह घोड़ा किसका है?”

काउगर्ल केट लज्जित हो गई.

उसने अपना हाथ उठाया.

“घोड़े को घर वापस ले जाओ,” ड्राइवर ने कहा.

“मैं तुम्हारे पीछे आऊँगा.”

पैर पटकते हुए केट कोको के पास आई.

वह उस पर सवार हो गई.

“घर चलो,” उसने कहा.

लेकिन कोको हिला ही नहीं.

“घर चलो,” केट ने दुबारा कहा.

वह अभी भी नहीं हिला.

“बस में बैठे बच्चे तुम्हें
मैरी का नन्हा मेमना कह रहे हैं,” केट ने कहा.
“उन्हें लगता है कि तुम एक बड़े बच्चे हो.”

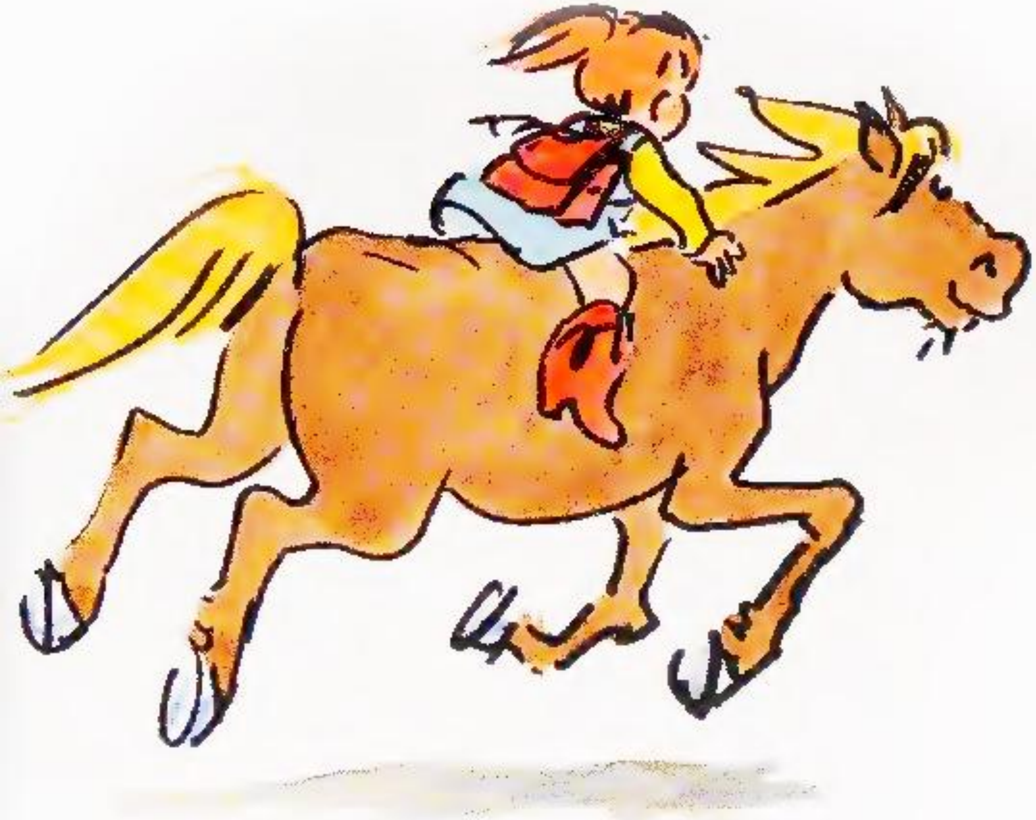

कोको फुफकारने लगा.
“मैं एक बड़ा बच्चा नहीं हूँ,
और मैं एक नन्हा मेमना भी नहीं हूँ.”
उसने अपना सिर ऊँचा उठाया.
“मज़बूती से पकड़ लो,” उसने कहा
और टा-डम टा-डम टा-डम.
घर की ओर जितना तेज़ वह दौड़ सकता था
वह दौड़ा.

काउगर्ल केट ने उसे बाड़े के अंदर बंद कर दिया.
कोको ने केट की पीठ को धीरे से छूआ.
“तुरंत स्कूल जाओ!” उसने कहा.
काउगर्ल केट ने आश्चर्य से उसे देखा.

“मुझे लगा था कि तुम चाहते हो कि
मैं यहीं रहूँ,” उसने कहा.
“अब तुम चाहते हो कि मैं स्कूल जाऊँ. क्यों?”
कोको हँसा.
“ताकि तुम जल्दी वापस आ सको.”

2
चित्र

काउगर्ल केट स्कूल से घर वापस आ गई.

“नाश्ते का समय,” कोको ने कहा.

काउगर्ल केट ने उसे एक सेब दिया.

उसने केट की जेब को नाक से छूआ.

केट ने उसे एक और सेब दिया.

उसने दुबारा केट की जेब को नाक से छूआ.

“अल्पाहार का समय समाप्त हो गया,” केट ने कहा.

“अब गृह-कार्य का समय है.”

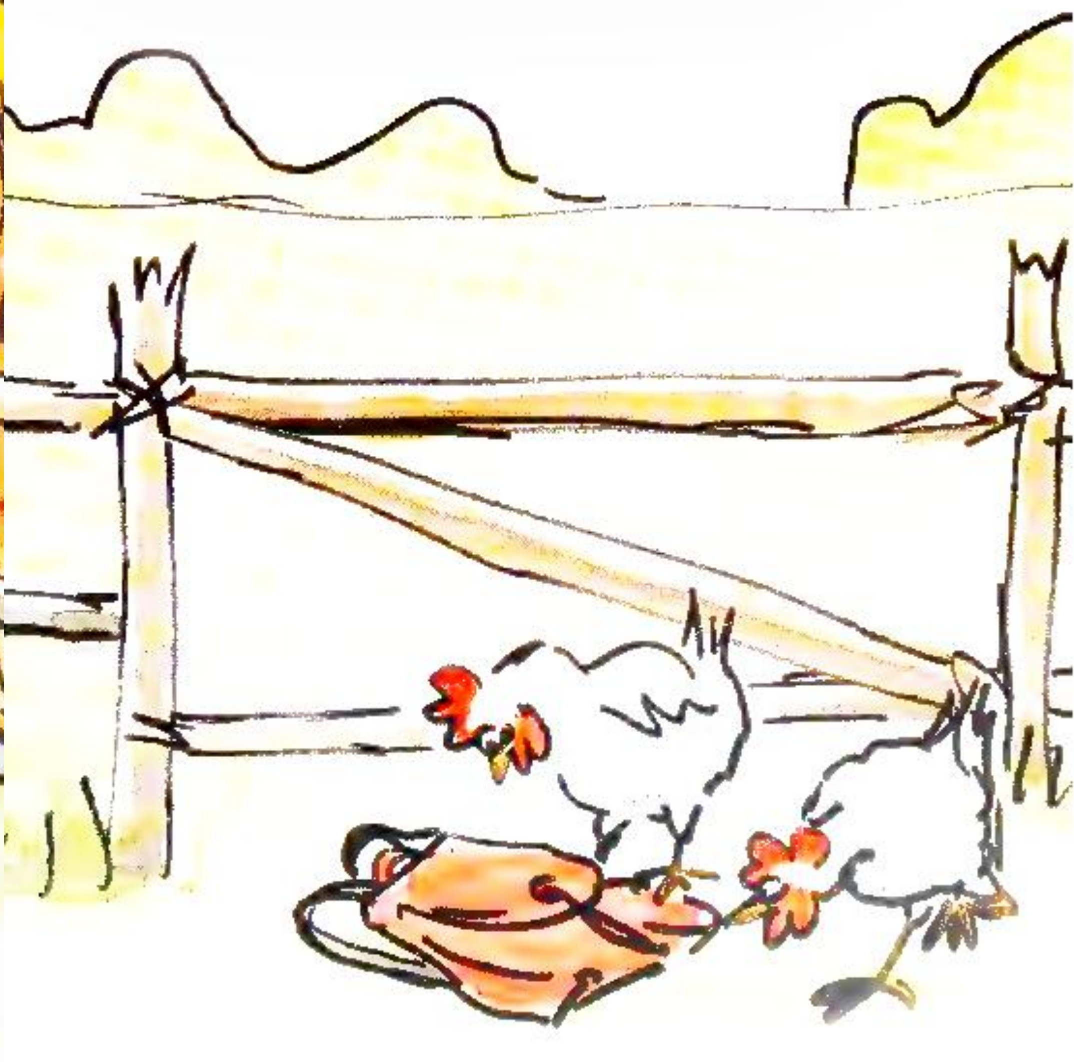

काउगर्ल केट ने एक ईज़ल लगाया.

“मुझे एक चित्र बनाना है,” उसने कहा.

“मेरा चित्र बनाओ,” कोको ने कहा.

“क्या तुम स्थिर खड़े रहोगे?” केट ने पूछा.

“मैं बिलकुल स्थिर खड़ा रहूँगा,” घोड़े ने कहा.

और उसने अपना सिर ऊँचा उठा लिया.

काउगर्ल केट कुछ समय के लिए उसे देखती रही.

वह चित्र बनाने लगी.

कोको ने अपने होंठों पर अपनी जीभ फहराई.

“अल्पाहार का समय,” उसने कहा.

“अभी नहीं,” केट ने कहा.

“तुम्हें पक्का पता है?” उसने पूछा.

“श्श्श!” केट ने कहा.

“क्या मैं चित्र देख सकता हूँ?” घोड़े ने पूछा.
“अभी नहीं,” केट ने कहा.
“मैं प्रतीक्षा नहीं कर सकता,” उसने कहा.
और उसने चोरी से तस्वीर को देखा.
“तुम ने मेरी पूँछ बहुत छोटी बनाई है,” उसने कहा.
केट ने तस्वीर में उसकी पूँछ को लंबा बनाया था.

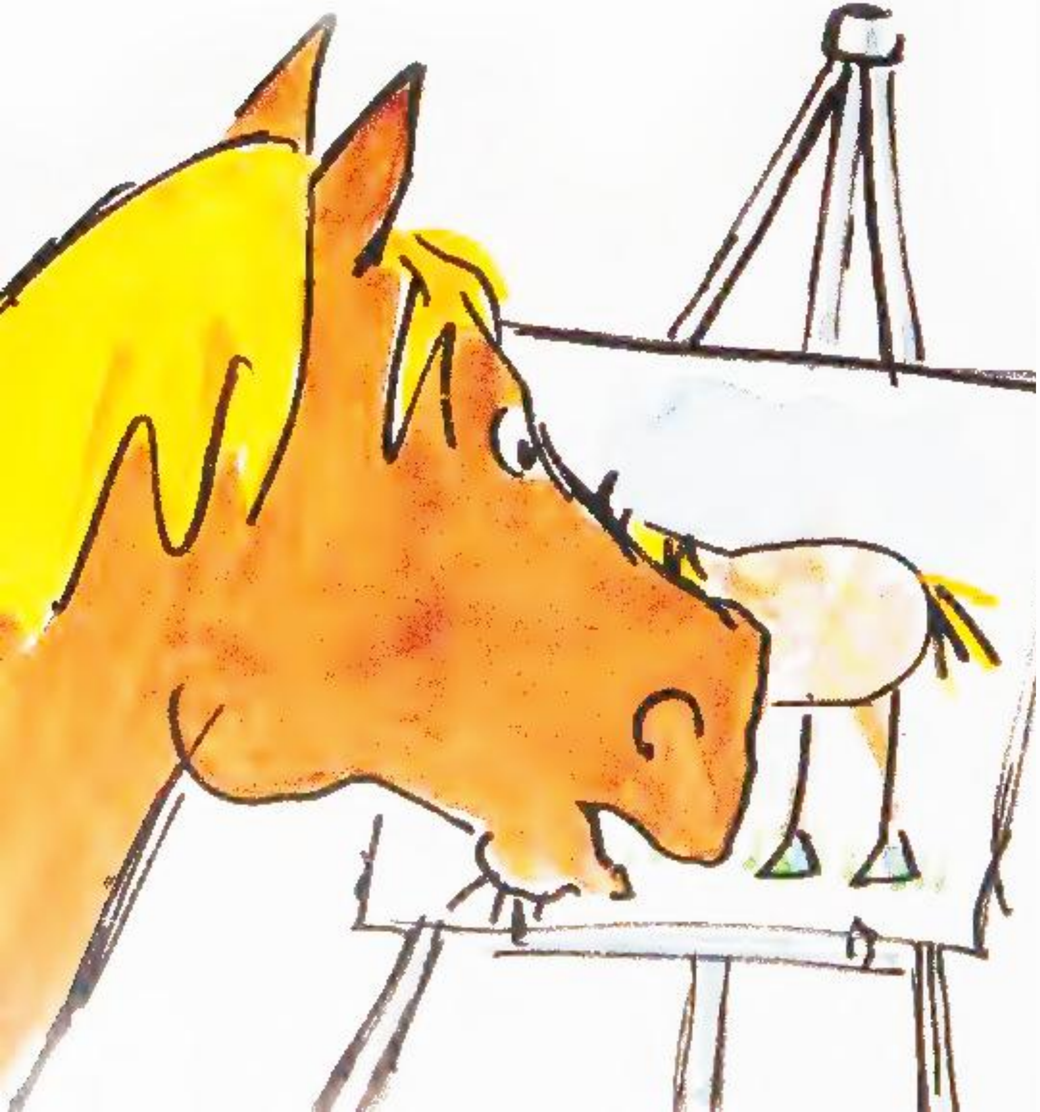

“मेरी गर्दन के बालों का रंग बहुत फीका है,” घोड़े ने कहा.
केट ने उन बालों का रंग गहरा कर दिया.

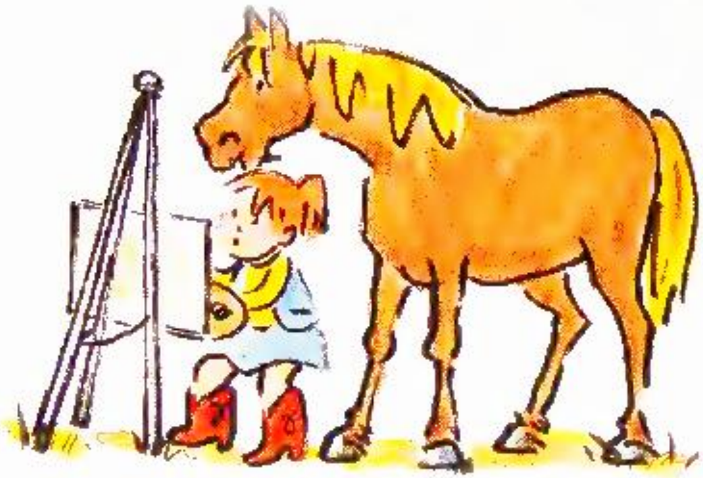

“मेरा मुँह क्यों खुला हुआ है?” घोड़े ने पूछा.
“क्योंकि तुम बातें कर रहे हो,” केट ने कहा.

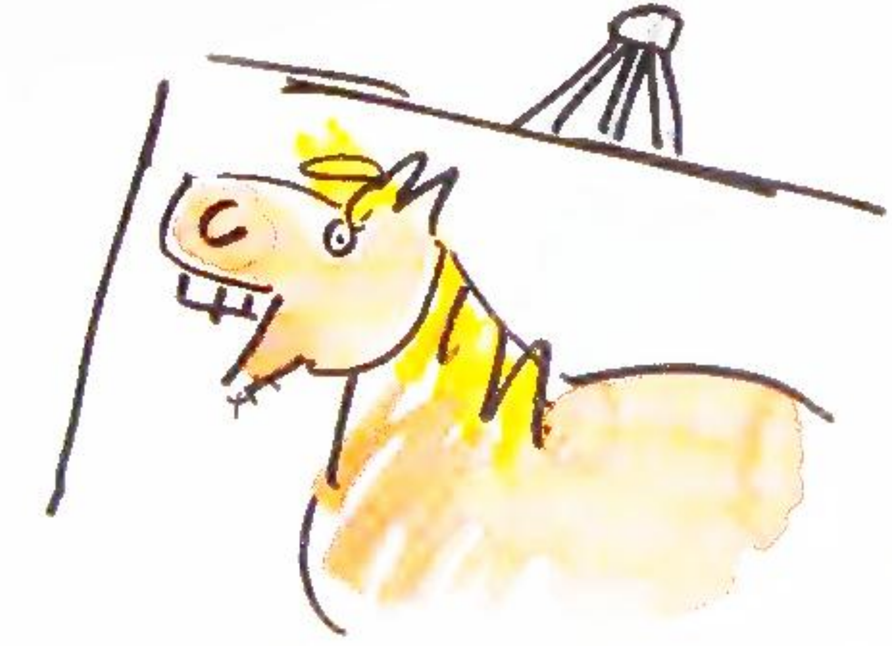

कोको ने चित्र को ध्यान से देखा.

“क्या तुम्हें चित्र अच्छा लगा?” केट ने पूछा.

“हाँ,” उसने कहा “लेकिन......”

“लेकिन क्या?” केट ने पूछा.

“मैं बहुत दुबला हूँ” घोड़े ने कहा.

“मुझे थोड़ा मोटा होना होगा.”

और वह मीठी घास चरने चला गया.

3
एक नई मित्र

काउगर्ल केट अपने नई मित्र के साथ
स्कूल बस से उतरी.
“कोको,” उसने कहा,
“मेरी नई मित्र जैन्नी से मिलो.”

कोको फुफकारा.
फिर उसने मुँह मोड़ लिया.
“कोको, इधर घूमो,” काउगर्ल केट ने कहा.
लेकिन कोको नहीं घूमा.
“तुम्हारा घोड़ा मुझे पसंद नहीं करता,” जैन्नी ने कहा.
“उसे बस तुम्हें थोड़ा जानना है,”
काउगर्ल केट ने कहा.

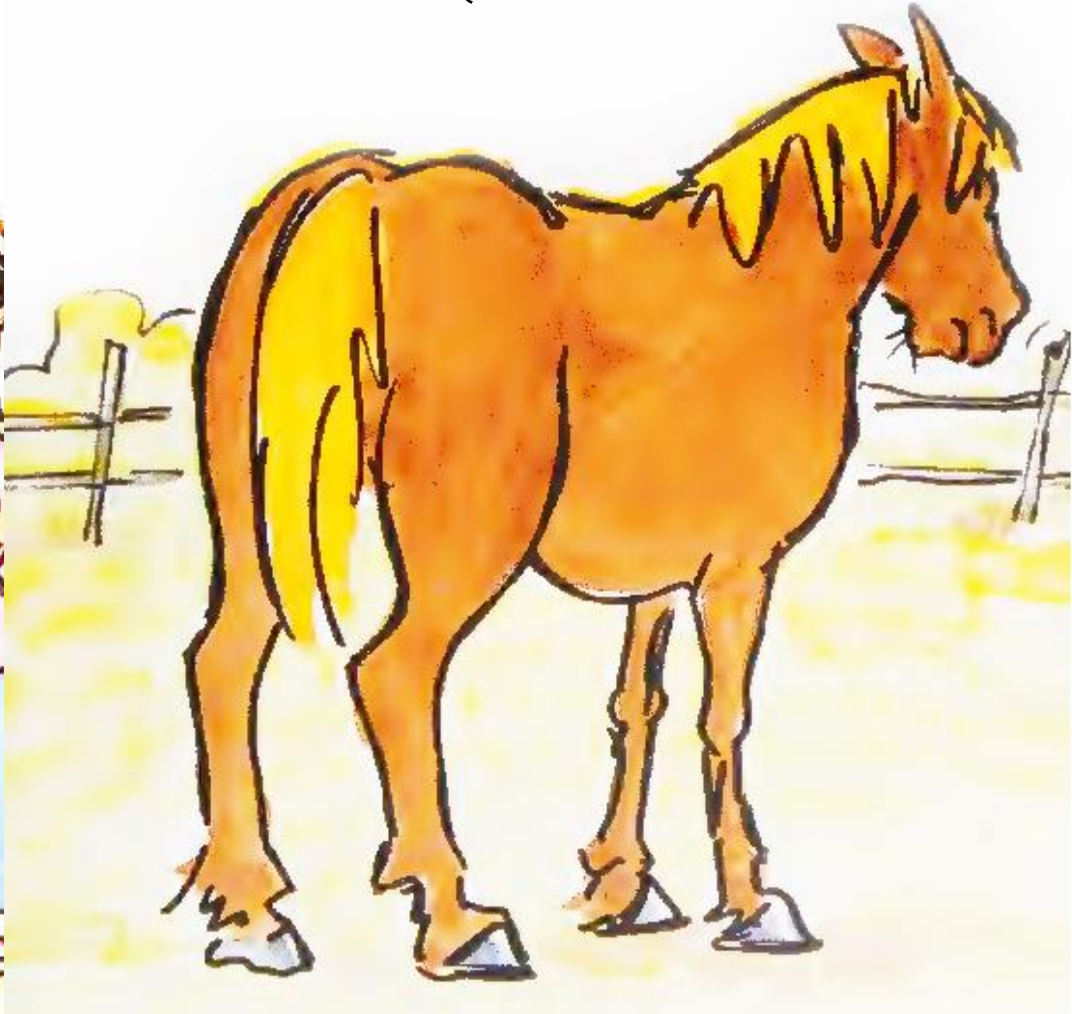

काउगर्ल केट और जैन्नी ने बॉसकट बॉल खेला.

“कोको, आओ हमारे साथ खेलो!”

काउगर्ल केट ने पुकारा.

लेकिन कोको खेलने नहीं आया.

काउगर्ल केट ने जैन्नी को रस्से के साथ खेलना सिखाया.

“कोको, आओ हमारे साथ रस्सा खेलो!”

काउगर्ल केट ने पुकारा.

लेकिन कोको नहीं आया.

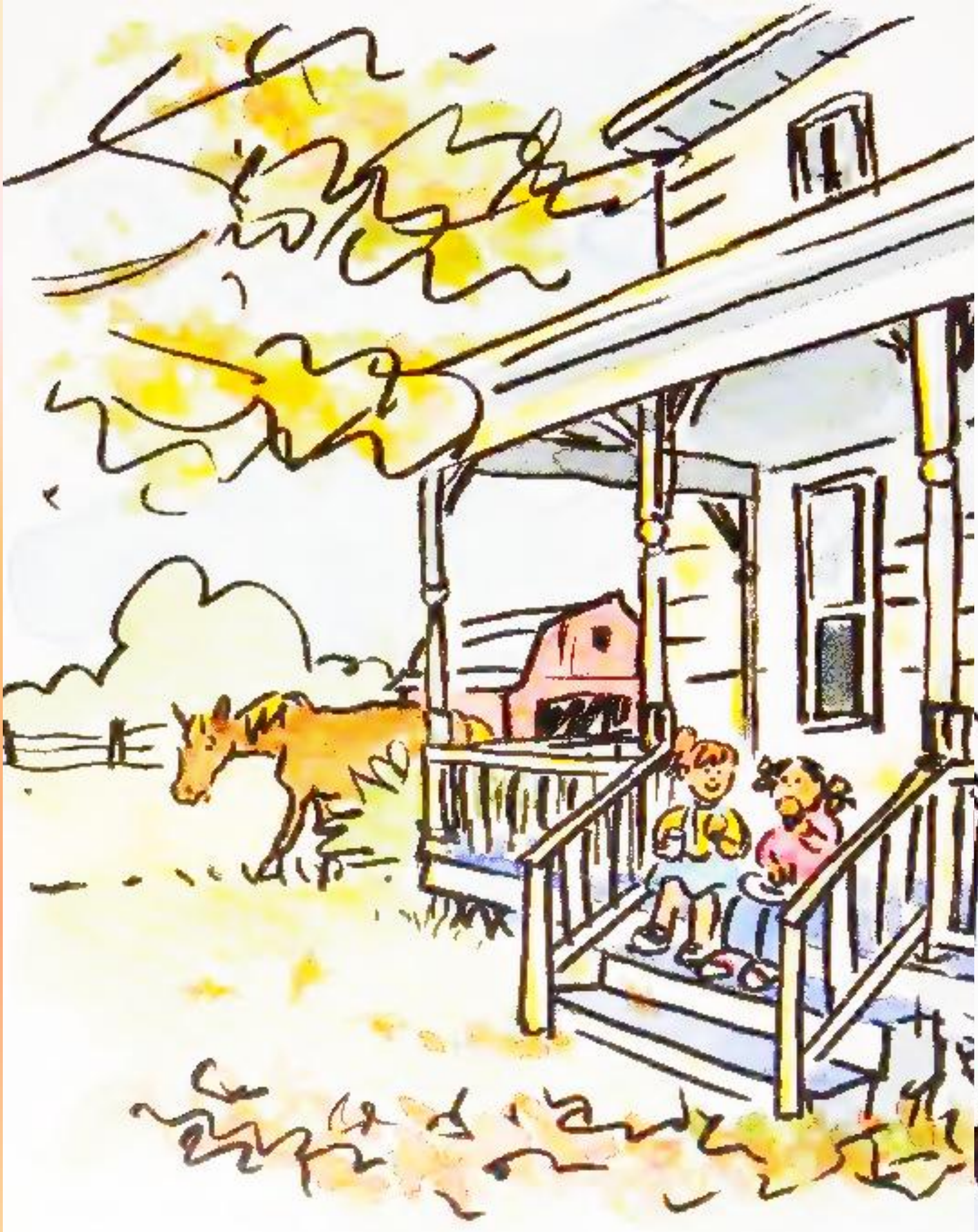

काउगर्ल केट और जैन्नी ने दूध पीया और कुकीज़ खायीं.

"कोको, आओ और कुकीज़ खाओ!"
काउगर्ल केट ने पुकारा.
कोको थोड़ा पास आया
लेकिन उसने कुकीज़ नहीं खायीं.
"मुझे डर है कि वह बीमार तो नहीं है,"
काउगर्ल केट ने कहा.

जैन्नी की माँ जैन्नी को घर वापस ले जाने के लिए आई.

जैन्नी ले अपने बैग से एक पैकेट निकाला.

“मैं भूल ही गई कि मैं तुम्हारे लिए उपहार लाई हूँ,” जैन्नी ने कहा.

“धन्यवाद,” काउगर्ल केट ने कहा.

“कल स्कूल में मिलेंगे.”

जैन्नी और उसकी माँ अपनी कार में चले गए.

काउगर्ल केट झटपट कोको के पास आई.
"कोको," उसने पूछा, "क्या तुम बीमार हो?"
कोको ने आह भरी.
"मैं मायूस हूँ," उसने कहा.
"तुम स्कूल जाती हो.
तुम्हारी नई मित्र है.
शीघ्र ही तुम मुझे भूल जाओगी,"
और वह धीरे-धीरे वहाँ से चला गया.

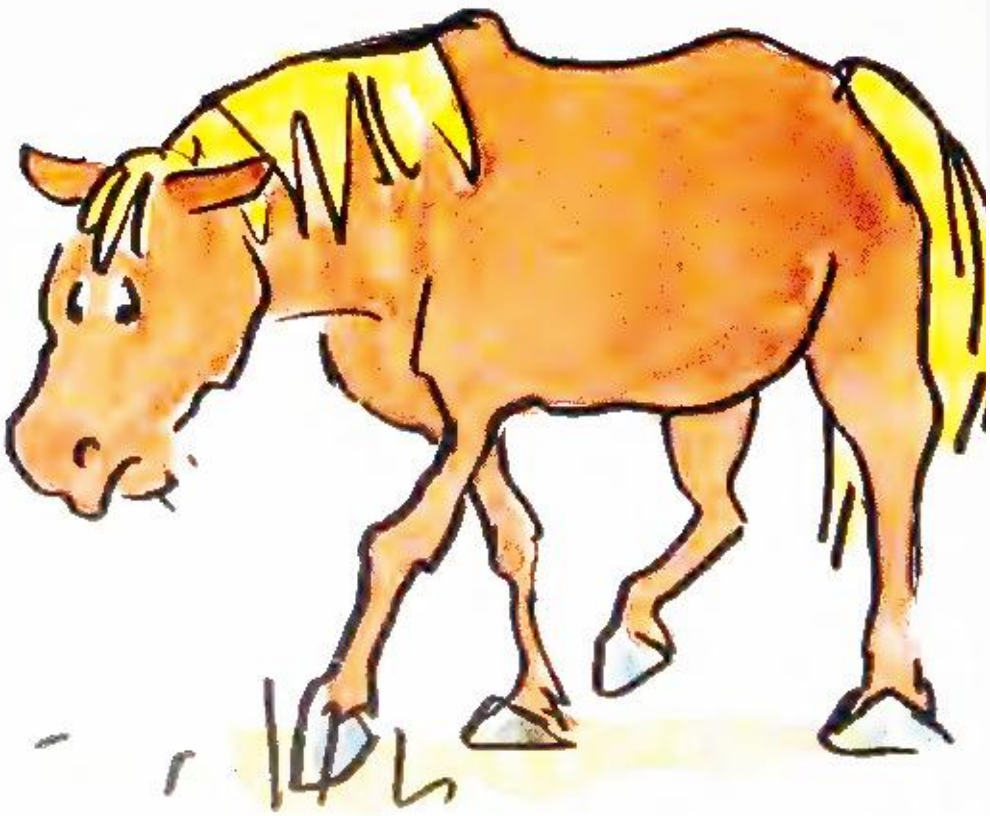

"कोको, रुको!" केट चिल्लाई.
"मैं तुम्हारे लिए एक स्वादिष्ट चीज़ लाई हूँ."
कोको रुक गया.
"तुम मुझे स्वादिष्ट चीज़ क्यों दे रही हो?" उसने पूछा.
"तुम अब मुझे पसंद नहीं करती हो."
"निःसंदेह मैं तुम्हें पसंद करती हूँ," काउगर्ल केट ने कहा.
केट ने उसकी गर्दन सहलायी.
"सारी दुनिया में तुम मेरे सबसे अच्छे मित्र हो."

“क्या मैं हूँ?” कोको ने पूछा.

“हाँ, तुम हो,” काउगर्ल केट ने कहा.

“और कुछ भी इसे बदल नहीं बदल सकता.”

“स्कूल भी नहीं?” उसने पूछा.

“स्कूल भी नहीं,” केट ने कहा.

“नई मित्र भी नहीं?” उसने पूछा.

“नई मित्र भी नहीं,” केट ने कहा.

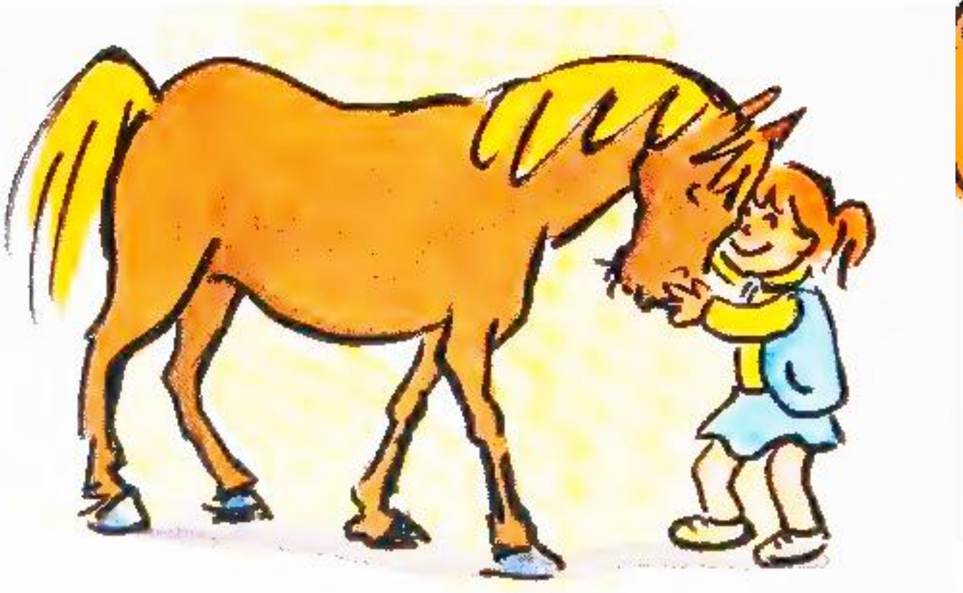

कोको ने आह भरी.

फिर उसने केट के हाथ को छूआ.

“मैं स्वादिष्ट चीज़ खाने के लिए तैयार हूँ,” उसने कहा.

काउगर्ल केट ने एक पैपरमिंट कैंडी

उसके मुँह में रख दी.

“यम्मी!” कोको ने कहा.

“तुम्हें इतनी स्वादिष्ट वस्तु कहाँ से मिली?”

काउगर्ल केट मुस्कराई.

“यह जैन्नी का उपहार है,” केट ने कहा.

“मुझे प्रसन्नता है कि हमारी एक नई मित्र है,” उसने कहा.

4

एक रिपोर्ट

काउगर्ल केट अपने बैडरूम में थी
कोको ने खिड़की से भीतर झांका.
“मेरे साथ खेलो,” उसने कहा,.
“मैं नहीं खेल सकती,” केट ने उत्तर दिया.
“मैं एक रिपोर्ट तैयार कर रही हूँ.”
“क्या तुम रिपोर्ट के साथ खेल सकती हो?”
उसने पूछा.
“नहीं,” केट ने कहा.
“फिर उसका क्या लाभ?” उसने पूछा.
“वह एक अच्छे विषय पर है,” केट ने कहा.
“वह घोड़ों के बारे में है.”
“मैं घोड़ों के विषय में सब जानता हूँ,”
कोको ने कहा.
“मैं तुम्हारी सहायता करूँगा.”

काउगर्ल केट अपनी नोटबुक
बाहर ले आई.
“अपनी रिपोर्ट मुझे पढ़ कर सुनाओ,” कोको ने कहा.
वह पढ़ने लगी, “घोड़ों की लंबी, सुंदर पूँछें होती हैं.”
“यह सत्य है,” कोको ने कहा.
और उसने अपनी लंबी, सुंदर पूँछ को
एक झटका दिया.

"घोड़ों के अयाल लंबे, लहराते हुए होते हैं," केट ने पढ़ा.

"यह भी सत्य है," कोको ने कहा.

और उसने अपने लंबे, लहराते अयाल को हिलाया.

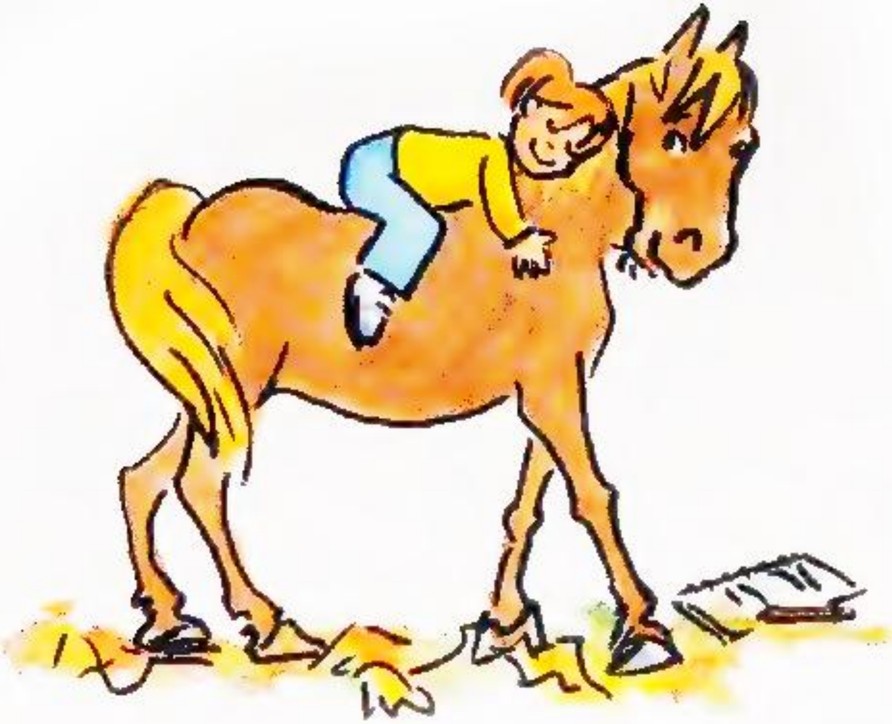

"घोड़े काले, सफेद

भूरे, पीले-भूरे या स्लेटी रंग के होते हैं," केट ने पढ़ा.

"एक पल रुको," कोको ने कहा.

"मैं तो चॉकलेट रंग का हूँ.

मेरी पूँछ और अयाल हल्के भूरे रंग के हैं."

"तुम असाधारण हो," केच ने कहा.

"यह पूरी तरह सत्य है," कोको ने कहा.

“मैं और क्या लिखूँ?”
काउगर्ल केट ने पूछा.
“मैं तुम्हें दिखाता हूँ,” कोको ने कहा.
वह दौड़ने लगा.
पहले धीरे-धीरे दौड़ा फिर सरपट भागा.

घोड़ों को धीरे-धीरे और तेज़ दौड़ना पसंद है,
काउगर्ल केट ने नोटबुक में लिखा.

कोको बहुत तेज़ दौड़ा और कूदा.
घोड़ों को बहुत तेज़ दौड़ना और कूदना पसंद है,
उसने लिखा.

वह ज़मीन पर लोटने लगा.

घोड़ों को अपनी पीठ पर लोटना पसंद है, केट ने लिखा.

"और अब," कोको ने कहा,

"क्या तुम अनुमान लगा सकती हो कि घोड़ों को क्या करना सबसे अच्छा लगता है?"

"खाना?" कोको ने अनुमान लगाया.

और उसने एक सेब उसकी ओर किया.

कोको सेब चबा गया.

"सही उत्तर के पास हो," कोको ने कहा.

"लेकिन मैं कुछ और ही सोच रहा था."

"मुझे कुछ संकेत दो," केट ने कहा.

घोड़े ने उसे धीरे से धक्का दिया.

“छू लिया!” उसने प्रसन्नता से कहा.

काउगर्ल केट हँस दी.

उसने लिखा, *घोड़ों को अपने मित्रों के साथ खेलना सबसे ज़्यादा पसंद है.* फिर उसने अपनी नोटबुक रख दी और यार्ड में कोको के पीछे भागने लगी.